जीवन का मेला एक विशिष्ट कृति

डॉ. एम. डी. थॉमस

'जीवन का मेला' श्री अमरेंद्र कुमार मिश्र द्वारा लिखित नाटक कथावली है। यह ग्यारह नाटकों का एक वैविध्यपूर्ण और अनूठा संग्रह है। इस नाटक कथावली में बड़े ही रोचक प्रसंगों को समावेषित किया गया है। पात्र-नियोजन भी विशेष उल्लेखनीय है।

'जीवन का मेला' नामक नाटक में मिश्र जी ने 'मनुष्य के अंदर की वृतियों' को पात्र बना कर नाटक को बहुत ही विशेष बनाया है। 'भारतवर्ष की फुलवारी' नामक नाटक में आपने भारतवर्ष के प्रदेशों को पात्र बना कर उनके गुणानुसार वर्णन के साथ नाटक को विशिष्ट बनाया है।

'जीवन का मला' में संकलित मिश्र जी के सभी नाटक नवीनता के साथ-साथ सार्वभौमता का गुण भी लिये हुये हैं। अब तक लिखे गये मिश्र जी के नाटकों की अपेक्षा इन नाटकों से नाटक-लेखन को ही एक नयी दिशा मिलती प्रतीत होती है।

श्री अमरेंद्र कुमार मिश्र की सक्रिय साहित्य-साधना इसी प्रकार चलतो रहे। हिंदी साहित्य ऐसे अद्भुत एवं नवीन सामग्रियों से समृद्ध होता रहे यही मेरी मंगल कामनायें हैं।

डॉ. एम. डी. थॉमस
संस्थापक निदेशक, इंस्टिट्यूट ऑफ़ हार्मनि एण्ड पीस स्टडीज़, नयी दिल्ली
प्रथम मंजिल, ए 128, सेक्टर 19, सेक्टर 19, द्वारका, नयी दिल्ली 110075

दूरभाष: 09810535378 (p), 08847925378 (p), 011-45575378 (o)
ईमेल : mdthomas53@gmail.com (p), ihps2014@gmail.com (o)
बेबसाइट: www.mdthomas.in (p), www.ihpsindia.org (o)

Twitter: https://twitter.com/mdthomas53
Facebook: https://www.facebook.com/mdthomas53
Academia.edu: https://independent.academia.edu/MDTHOMAS